Title: Regarding increase of the fare of buses by the Delhi Transport Corporation (D.T.C.).

MR. SPEAKER: Shri Madan Lal Khurana.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have called Shri Khurana. Only the speech of Shri Khurana will go on record.

श्री मदन लाल खुराना : महोदय, २३०० प्राइवेट बसों ने दरें बढ़ा दी हैं और इस बारे में कोई नोटीफिकेशन नहीं हुआ है। होम मिनिस्टर साहब यहां बैठे हुए हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि दिल्ली में प्राइवेट बसों ने किराये की जो दरें बढ़ाई हैं, इन सौ प्रतिशत दरों के बढ़ाने के लिए उन्होंने किसी से पूछा नहीं और न कोई नोटिफिकेशन ही हुआ है। इसे एस.टी.ए. ने भी पास नहीं किया है। मेरी आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से प्रार्थना है कि इसकी सी.बी.आई. द्वारा जांच होनी चाहिए ... (व्यवधान) अध्यक्ष जी, इसकी सी.बी.आई. से जांच होनी चाहिए

... (व्यवधान)
२३०० प्राइवेट बसों ने किराये बढ़ाये हैं

... (व्यवधान)
किसी ने कोई प्रस्ताव पास नहीं किया

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called Shri Khurana. Please sit down.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. I will call you after him. I have allowed Shri Khurana, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Member, please take your seat. Please understand that I have allowed Shri Khurana. Please take your seat.

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष जी, डीजल के दाम बढ़ने के नाम पर दिल्ली में डी.टी.सी.की दरें बढ़ीं, यह एक अलग बात है, लेकिन दिल्ली में सैकड़ों बसें प्राइवेट चल रही हैं, उन्होंने १०० प्रतिशत किराया बढ़ा दिया जबकि एस.टी.ए. या दिल्ली गवर्नमेंट का ऐसा कोई फैसला या प्रस्ताव नहीं है, फिर भी २३०० बसों के किराए १०० प्रतिशत कैसे बढ़ गए? दिल्ली सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया न प्रस्ताव पास किया, फिर निजी बस मालिकों ने कैसे किराए बढ़ा दिए? प्राइवेट बसों के किराए बढ़ाने के लिए मोटर विहीकल एक्ट के अन्तर्गत बाकायदा एस.टी.ए. का प्रस्ताव होता है और गवर्नमेंट का निर्णय होता है, उसके बाद ही दाम बढ़ाए जाते हैं, लेकिन दिल्ली में प्राइवेट बसों के किराए बढ़ाने का न तो एस.टी.ए. का आर्डर है और न दिल्ली गवर्नमेंट का कोई प्रस्ताव है, फिर कैसे किराए बढ़ा दिए गए? इसकी सी.बी.आई. से जांच होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, डी.टी.सी. ने किराया बढ़ाया, उसकी खिलाफत हम अलग से करेंगे, लेकिन प्राइवेट बसों के मालिकों ने किराए कैसे बढ़ा दिए? इस संबंध में मेरा आरोप है कि दिल्ली सरकार और प्राइवेट बसों के मालिकों की मिलीभगत है। यहां पर गृह मंत्री महोदय बैठे हैं, मेरी उनसे मांग है कि वे सी.बी.आई. से इसकी जांच कराएं। मुझे प्रतीत होता है कि इसमें सैकड़ों करोड़ रुपया दिल्ली की आम जनता से लूटा जा रहा है। अतः इसकी जांच होनी चाहिए।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please understand that if you speak like this, how can the Chair call your names? Please take your seats first. I have a list, and I will call your names as per the list. Please sit down.

SHRI RAJESH PILOT : Sir, we seek your protection. The hon. Home Minister that he would go to the Cabinet and then come back to the House. So, he should tell us about it. We need your protection.

MR. SPEAKER: You have discussed this issue for four hours, and this is on the same subject.

SHRI RAJESH PILOT : You may please read his statement.

MR. SPEAKER: He has already replied to it.

SHRI RAJESH PILOT : He has said, `I have nothing to say''. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. If you do like this, then it becomes difficult for me to call you. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): Mr. Speaker, Sir, I would request you to go through the records and if what Shri Rajesh Pilot

said is correct and if the Hon. Minister has stated that he will consult and come back to the House, then it becomes an assurance and we seek your protection to ensure that he fulfills his commitment and comes back to the House with a fresh statement on this ... (Interruptions)

श्री राम नगीना मिश्र (पड़रौना): अध्यक्ष महोदय, आप हमें भी बोलने का मौका दीजिए।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बोलने का मौका देंगे लेकिन पहले आप बैठ जाइये।

... (व्यवधान)

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्वी दिल्ली): अध्यक्ष महोदय, मैंने डी.टी.सी. पर ही नोटिस दिया है कि उन्होंने किराये बढ़ा दिये हैं।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

... (व्यवधान)

श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा था कि इन बातों को पहले कैबिनेट में ले जाना पड़ेगा, मंत्रिमंडल में डिसकस करना पड़ेगा तभी मैं कोई जवाब दे सकता हूं। कल सैशन का आखिरी दिन है।

... (व्यवधान)
क्या आप कल तक जवाब दे देंगे?

... (व्यवधान)
यह पूछने का तो हमारा हक है।

... (व्यवधान)

SHRI RAM NAIK: I say and repeat that whatever I have said on that day, I will try to follow it.

SHRI RAJESH PILOT : No, that is not correct ... (Interruptions)

SHRI BASUDEB ACHARIA : Then, what have you said? ... (Interruptions)

SHRI RAM NAIk: Whatever I said is on records ... (Interruptions)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, you can go through the records.

MR. SPEAKER: We will definitely go through the records.

SHRI RAJESH PILOT : Sir, tomorrow is the last date of this Session and if it is not done by tomorrow, then we would not have any chance to have our say.

MR. SPEAKER: Ok, we will go through the records.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, please do it by tomorrow ... (Interruptions)